राजसेवक परिषद का अहमदाबाद समाज की ओर से शानदार स्वाषगत व सम्मा ान

राजसेवक परिषद, जयपुर के लिये गौरव का विषय है कि 2 दिसम्बर 2018 को अहमदाबाद विजयवर्गीय समाज की स्थायनीय शाखा द्वारा राजसेवक परिषद द्वारा समाज हित में किये जा रहे रचनात्म क कार्यो उपलब्धि स्वषरूप सम्मामनित करने हेतु विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया ा इस सन्द्भ में परिषद के अध्य क्ष श्री राजेन्द्रर प्रसाद विजय (नारायणपुर निवासी) एवं महासचिव श्री शिवकुमार विजय वहां पर उपस्थित हुये ा

अहमदाबाद विजयवर्गीय समाज के समस्त् पदाधिकारियों एकार्यकर्ताओं एवं समाज बन्धुिओं द्वारा हमारा तहे दिल से स्वारगत किया व अति उत्ताम आथित्यन दिया ा

समारोह में हमारा तहे दिल से स्वा ागत करते हुये सम्मा न भी प्रदान किया ा यह इस बात की बडी उपलब्धि है कि राजसेवक परिषद को अब विजयवर्गीय समाज समझने व स्वीैकार करने लगा है ा
इस मौके पर परिषद की गतिविधियों एवं "संगम" निर्माण की पुरजोर प्रस्तेति भी की गई ा जिसका उपस्थिति समाज बन्धुैओं ने एकाग्रह चित्तत से सुनकरअपनी प्रतिक्रिया स्वैरूप करतल ध्व नि से अभिवादन किया और सभी के द्वारा भरपूर प्रसंशा भी की गई ा चर्चा के दौरान अनेकों भामाशाहों द्वारा इस प्रोजेक्ट के लिये अधिक से अधिक अनुदान प्रदान करने का पूरा-पूरा आश्वाकसन भी दिया गया ा
इस मौके पर परिषद की आ ेर से की गई प्रस्तुतिकरण निम्ना प्रकार से था -

–स्थानीय शाखा अहमदाबाद द्वारा आयोजित इस समारोह में देश के कोने-कोने से पधारे प्रतिष्ठित **आगंतुक समाज बंधुओं**

–अहमदाबाद विजयवर्गीय वैश्य समाज के अध्यक्ष राजस्थान प्रान्त के अलवर जिले के तलाब निवासी आदरणीय श्री नन्दकिशोर–छाजूलाल जी तथा भीलवाडा जिले के हमीरगढ निवासी मंत्री आदरणीय लक्ष्मीनारायण–मोहनलाल जी विजयवर्गीय एवं समस्त पदाधिकारीगण

–अहमदाबाद विजयवर्गीय वैश्य समाज के उपस्थित भामाशाह एवं गणमान्य महानुभाव

–इस शानदार आयोजन के लिए जिन स्थानीय कार्यकर्ताओं ने मेहनत करके बड़ी संख्या में समाज बंधुओं को एकत्रित होने का अवसर दिया इसके लिए सभी का अभिनन्दन

–आप के मंच पर बुलाकर हमारी समाज सेवा को सम्मानित करने के लिए सभी का हृदय **से आभार**

बंधुओं

–**विजयवर्गीय राजसेवक परिषद जयपुर द्वारा** विगत कई वर्षो से **सामाजिक उत्थान के लिए** सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर अपना कार्य करते हुये समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये **कई महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की है** जिसके अन्तर्गत राजस्थान प्रान्त में निवासित विजयवर्गीय समाज बन्धुओं को विधवा पेंशन, जरूरत मंद छात्रों को छात्रवृत्ति, चिकित्सीय सहायता प्रदान करना आदि। यदि आपके ध्यान में भी यदि ऐसे प्रकरण आये तो हमें अवगत करायेगे तो हमें आपकी सेवा करने में ओर भी आन्नद की अनुभूति होगी।

–**इसमें सबसे महत्वपूर्ण कार्य** सम्पूर्ण विजयवर्गीय समाज के उपयोग हेतु सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन के निर्माण हेतु जयपुर के पोश इलाके एनआरआई कालोनी के पास प्रतापनगर में राजस्थान सरकार के माध्यम से वर्ष 2013 में एक बीधा यानि 3500 वर्गगज का भूखण्ड रियायती दरों पर लगभग 17 लाख में आवंटित कराने में सफलता प्राप्त की गई जिसका वर्तमान में बाजार मूल्य लगभग 20 करोड रूपये है ।

–इस समय **लगभग** 6 **करोड रुपए की लागत से संगम** भवन **का निर्माण कार्य प्रगति पर है**। और इसके प्रथम चरण का कार्य पूर्ण होने को है जिसे शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जाकर विजयवर्गीय समाज के उपयोग हेतु समर्पित किया जा रहा है ।

–हमारा ऐसा मानना है कि **संभवत** यह **देश में विजयवर्गीय समाज स्तर का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है**

–राजसेवक परिषद लगभग 600 **कर्मचारी परिवारों का एक समूह है जिस के सहयोग से जमीन** क्रय की **गई तथा समाज के सभी वर्गों के सहयोग से इस पर निर्माण कार्य चलाया गया इस कार्य के लिए जयपुर तथा जयपुर के बाहर से जिन भामाशाह ने हमें** अनुदान प्रदान **किया उनका इस मंच के माध्यम से में** आभार व्यक्त **करना चाहता हूं**

–यह शायद हमारी कार्यकुशलता ही है कि गुजरात प्रान्त के मोरबी में व्यवसाय करने वाले जोधपुर निवासी श्री सांवरलाल जी गॉधी (सिंगवान) के सुपुत्र श्री ओमेश गॉधी जी द्वारा केवल दूरभाष पर एवं हमारी वेबसाईट का अध्ययन कर ही संगम निर्माण हेतु 1 लाख 1 हजार रूपये का अनुदान प्रदान किया ।

–आपको यह भी बताना चाहता हूॅ कि आदरणीय श्री ओमेश जी से कभी भी हमारा व्यक्तिगत आमने–सामने परिचय भी नहीं हुआ । वे आज के समारोह में हमारे बीच उपस्थित भी है । उनका भी इस मंच के माध्यम से विशेष आभार व्यक्त करना चाहूॅगा ।

–यो तो विकास की कोई सीमा नहीं होती किंतु राजसेवक परिषद की **अपनी योग्यता क्षमता एवं श्रम से और आप सब समाज बंधुओं के सहयोग से पिछले** 6 **सालों से राजसेवक परिषद** विजयवर्गीय समाज की **सेवा करते हुए** अब तक **लगभग** 2 करोड 62 लाख 41 हजार 945 रूप्ये का अनुदान **का सहयोग इस प्रोजेक्ट के लिए आपके प्यार एवं आशीर्वाद के रूप में प्राप्त हुआ** ।

–आपको अवगत कराना चाहूॅगा कि निर्माण में पारदर्शिता कायम करने की दृष्टि संभवतः विजयवर्गीय समाज के इतिहास में पहली बार विजयवर्गीय राजसेवक परिषद की गतिविधियों एवं ''संगम'' निर्माण के संबंध में प्राप्त होने वाले अनुदान व निर्माण कार्यो में हो रहे खर्चे आदि के एक–एक पैसे का हिसाब का संधारण परिषद की वेवसाईट पर प्रत्येक विजयवर्गीय बन्धु के अवलोकन के लिये 24 धण्टे उपलब्ध है ।

–निर्माण की योजना के अन्तर्गत इस भवन में एक मंजिल पर देश के विजयवर्गीय छात्रों के अध्ययन उपयोग हेतु छात्रावास के रूप में कमरों का निर्माण कराया जायेगा । साथ ही हमारा प्रयास है कि इस भवन में एक मंजिल में एक–एक कमरा देश के सभी 16 प्रदेशों के नाम से स्थापित हो ताकि समाज की एकता का भान हो सके ।

–यहां उपस्थित अधिकतर आदरणीय महानुभाव भी राजस्थान प्रान्त के ही रहने वाले होगे जैसेकि यहां के अध्यक्ष श्री नन्दकिशोर जी अलवर जिले के तलाब के रहने वाले है जहां कि मेरी नानी लाडो देवी का पैत्रिक निवास रहा है । इसी प्रकार मंत्री महोदय आदरणीय लक्ष्मीनारायण जी भी भीलवाडा जिले के हमीरगढ के निवासी है।

–अपनी मातृ भूमि के पैत्रिक प्रान्त राजस्थान में जयपुर जैसी महानगरी में सम्पूर्ण विजयवर्गीय समाज के उपयोग हेतु निर्मित कराये जा रहे सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन में आप सभी अधिक से अधिक अनुदान प्रदान करने का आवहान करना चाहॅूगा । ताकि आप सभी के सहयोग से एक अनुठा भवन बनाने में पूर्ण सफल हो सकें । और आपके इस अल्प त्याग को समाज की आने वाली पीढी याद कर सके । दिये जाने वाले अनुदान पर 80 जी के अन्तर्गत छूट का भी प्रावधान कराया हुआ है ।

–इस समारोह में जयपुर से मेरे साथ आये मेरे साथी बुटेरी निवासी व सवाईमानसिंह चिकित्सालय, जयपुर में कार्यरत सेवाभावी परिषद के महासचिव श्री शिवकुमार विजय का भी अभिवादन करना चाहॅूगा कि उनके द्वारा भी इन सभी कार्यो में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

–हम तो आप के सेवक के रूप में कार्य कर रहे है। उसकी सफलता आप सभी पर निर्भर करती है। हम आप सभी को विश्वास दिलाना चाहते है कि आपकी सभी आशाओं को पूरी करने में पुरजोर प्रयास करते हुये समाज को नये आयामों के साथ सर्वोच्च शिखर पर पहुचने का प्रयास करते रहेगें।

–सोचा हम इस संसार में क्या लेकर आये थे और क्या लेकर यहां से विदा होंगे इस भाव के परिपेक्ष्य में आप सभी से सहयोग की अपेक्षा के साथ मैं अपनी बात को कबीर दास जी के दौहे के भावार्थ के साथ विराम देता हॅू कि –

जग में ऐसा कार्य करके जाईये कि आप जब इस संसार से विदा ले रहे हों तो आप हंसे ओर जग रोय

धन्यवाद।